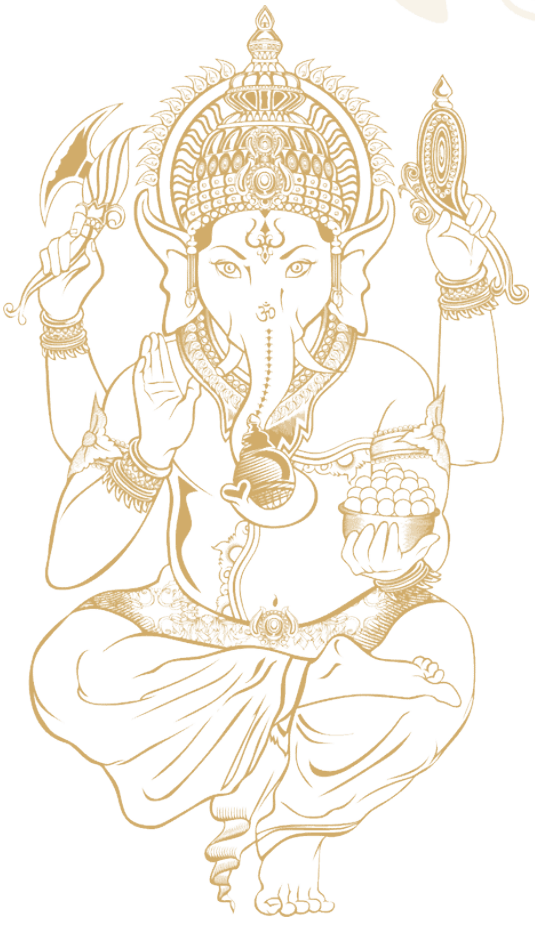

Mr.r

Ms.y

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120600203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/01/1995	जन्म तिथि	21/06/1997
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 00:15:00	जन्म समय	11:40:00 घंटे
घटी 42:33:13	जन्म समय(घटी)	15:40:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:42	सूर्योदय	05:23:55
17:53:07	सूर्यास्त	19:21:49
23:47:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 4मा 20दि	03:27:28	तुला	लग्न	सिंह	26:40:05	केतु 0वर्ष 7मा 13दि
गुरु	09:30:14	मक	सूर्य	मिथु	06:05:34	चन्द्र
14/06/2014	04:01:14	तुला	चंद्र	धनु	12:09:02	03/02/2024
14/06/2030	05:59:48	सिंह व	मंगल	कन्या	07:00:50	03/02/2034
गुरु 02/08/2016	27:00:00	मक	बुध	मिथु	00:30:20	चन्द्र 04/12/2024
शनि 13/02/2019	15:11:43	वृश्चि	गुरु व	मक	27:55:07	मंगल 05/07/2025
बुध 21/05/2021	22:57:10	वृश्चि	शुक्र	मिथु	27:01:45	राहु 04/01/2027
केतु 27/04/2022	16:22:31	कुंभ	शनि	मीन	25:06:46	गुरु 05/05/2028
शुक्र 26/12/2024	17:01:10	तुला व	राहु व	सिंह	29:44:09	शनि 04/12/2029
सूर्य 14/10/2025	17:01:10	मेष व	केतु व	कुंभ	29:44:09	बुध 05/05/2031
चन्द्र 13/02/2027	03:01:05	मक	हर्ष व	मक	14:15:51	केतु 04/12/2031
मंगल 20/01/2028	29:38:12	धनु	नेप व	मक	05:30:53	शुक्र 04/08/2033
राहु 14/06/2030	06:21:43	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:42:22	सूर्य 03/02/2034

लग्न-चलित

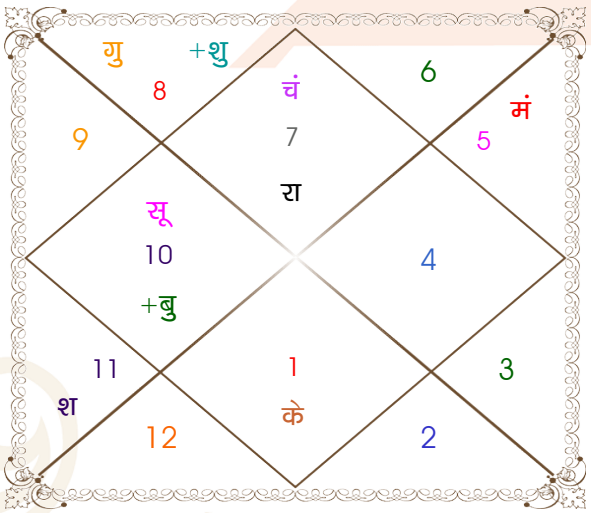

लग्न-चलित

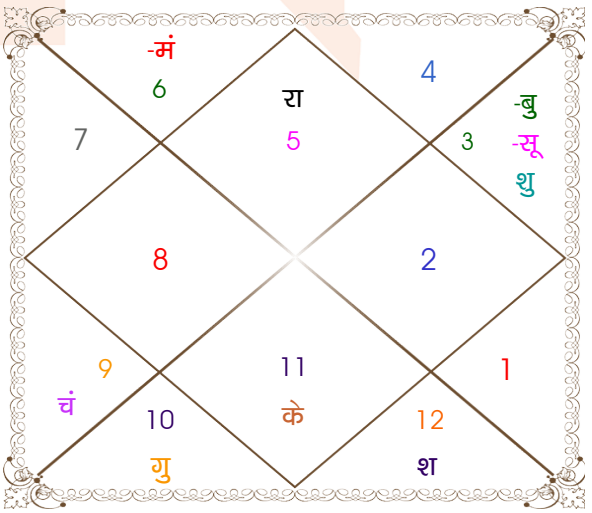

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्त का वर्ग मृग है तथा डेण्ल का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त और डेण्ल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्ल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डतण्त तथा डेण्ल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।